[Shri V. Hanumantha Rao]

falls, has to take seriously these adverse judgements and to ensure that the IIT, Madras does not further prolong the matter by resorting to appeal methods and wasting the public money and the wrong-doers, whoever it may be, are punished.

...(*Interruptions*)...

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, yesterday also, I raised this issue.

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Sir, he also raised this issue yesterday.

SHRI D. RAJA: Sir, it is there in yesterday's debate. There is huge discrimination in IIT, Chennai. It cannot be tolerated. The Government should take note of it seriously.

DR. T.N. SEEMA (Kerala): Sir, I would like to associate myself with the Mention made by the hon. Member.

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I would also like to associate myself with the Mention made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Narendra Kumar Kashyap.

Regularization of sand mining

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, इल्लीगल माइनिंग आज हमारे देश की बहुत बड़ी समस्या है। बहुत सारे माइनिंग माफिया अपने-अपने क्षेत्र में इल्लीगल माइनिंग करके जहां देश के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे है, वहीं देश के हर वर्ग और तबके के लोगों के सामने भी मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। महोदय, खास तौर से मैं पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ दृष्टांत आपके बीच रखना चाहता हूं, जहां सरकार की लाख बंदिशों के बावजूद भी खुले आम अवैध खनन का काम जारी है। बहुत सारे सियासी लोग भी आज इस अवैध खनन के कारोबार में लिप्त हैं। कोई अधिकारी अगर उनके खिलाफ कार्यवाही करने की कोशिश भी करे तो खनन माफिया का कुछ नहीं बिगड़ता, बिल्क अधिकारी ही सस्पेंड हो जाता है। महोदय, इस संबंध में हमारे देश की सरकार जो जल्द ही कोई न कोई निर्णय लेना पड़ेगा क्योंकि आज मकान-दुकान बनाने वाले लोगों को रेत की उपलब्ध्ता भी नहीं हो पा रही है। मैं यकीन के साथ यह कह सकता हूं कि जिस तरह से प्याज के दाम बढ़ने से लोगों की रसोई में प्याज नहीं मिला, वैसे ही अवैध माइनिंग के कारण आज लोगों को उनके मकान बनाने के लिए रेत नहीं मिल रही है। सीमेंट, रोड़ी, बदरपुर की तरह आज रेत की बिक्री भी किलों और धड़ी में हो रही है। जिसका बहुत बड़ा प्रभाव देश पर पड़ रहा है। मैं आपके माध्यम से

सरकार से यह मांग करता हूं कि देश के राजस्व को बचाने के लिए, देश के लोगों को माइनिंग उपलब्ध है और रेत माइनिंग माफिया के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के लिए एक ठोस नीति बनाकर सरकार इस बारे में कोई फैसला लें, ताकि देश के लोगों को रेत और तमाम जो मकान और दुकान बनाने की चीजें हैं, वे आसानी से उपलब्ध हो सके और देश में माइनिंग की कमी का संकट टल सके।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री मुनक़ाद अली (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री बृजलाल खाबरी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Names of Members who are associating may be noted. Now, Shri Mansukh L. Mandaviya; not present. Shri Kunal Kumar Ghosh.

Execution of an Indian Author, Sushmita Banerjee, by Taliban in Afghanistan

SHRI KUNAL KUMAR GHOSH (West Bengal): Sir, I wish to make a mention of the barbaric and brutal murder of a Bengali lady, an Indian citizen in Afghanistan, by Taliban.

Sushmita Banerjee, known as "Kabuliwalar Bangali Bahu" was executed late on Wednesday. She had just returned to Afghanistan after celebrating Eid in Kolkata, West Bengal. She was at her house in Kharana in Paktika province. The Talibans attacked her house, tied up her husband, Jaanbaz Khan, and other family members, dragged Sushmita out and pumped several bullets into her from close range. It was a cold-blooded murder.

Sir, Sushmita, after getting married, converted to Islam and was then known as Sayeda Kamala. She retained her Indian citizenship. She was doing a lot of social work, especially for the uplift of women and healthcare and she was also making a film. The Talibans did not allow such kinds of progressive works and instructed her to stop all her activities.

Sir, once earlier, after she escaped the clutches of the Taliban, she wrote her